कृषि कार्यों में बैलों के उपयोग पर किसानों को मिलेगा अनुदान

मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को एक और बड़ी सौगात देते हुए राज्य सरकार द्वारा किसान हित में किए जा रहे कार्यों को विस्तार दिया है। राज्य सरकार ने प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण योजना की घोषणा की है।

बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत राज्य सरकार किसानों को खेती कार्य में प्रयुक्त होने वाली बैल जोड़ी पर 30 हजार रुपये प्रति जोड़ी का अनुदान देगी। यह योजना उन किसानों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी जो पारंपरिक तरीकों से खेती करते हैं और महंगे कृषि यंत्र खरीदने में सक्षम नहीं हैं। इस हेतु हाल ही कृषि विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा शीघ्र ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

राज्य सरकार की इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को कुछ आवश्यक शर्तों को पूरा करना होगा, जिसके तहत किसान के पास कम से कम दो बैल होने चाहिए, जिनका उपयोग खेती कार्य में किया जा रहा हो। केवल लघु एवं सीमांत किसानों को ही इस योजना का लाभ मिलेगा, जिसके लिए तहसीलदार से प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा।

योजना के तहत केवल 15 माह से 12 वर्ष तक की आयु के बैल पात्र होंगे, जिनका पशु बीमा होना आवश्यक

- **लघु एवं सीमांत किसानों को ही इस योजना का लाभ मिलेगा**

होगा। किसानों के पास अपनी भूमि का स्वामित्व प्रमाण पत्र या फिर वनाधिकार पट्टा होना चाहिए। राज्य के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में निवास करने वाले किसानों को भी वनाधिकार पट्टे के आधार पर योजना का लाभ मिलेगा।

सरकार ने इस योजना को पारदर्शी और सरल बनाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा है। किसान स्वयं या फिर नजदीकी ई-मित्र केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया के तहत किसान को राजस्थान साथी पोर्टल पर जाकर आवेदन पत्र भरना होगा। बैल जोड़ी की हालिया फोटो पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। बैलों की बीमा पॉलिसी और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जमा करना आवश्यक होगा। किसान को 100 रुपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। किसान को अपनी लघु या सीमांत श्रेणी का प्रमाण पत्र भी अपलोड करना होगा। सभी आवश्यक दस्तावेज स्कैन एवं अपलोड करने होंगे और ई-प्रपत्र को सत्यापित कर जमा करना होगा। आवेदन जमा होने के बाद, राज्य सरकार द्वारा उसकी स्क्रूटनी की जाएगी और 30 दिनों के भीतर स्वीकृति दी जाएगी।

राज्य सरकार की इस पहल से हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां आज भी बैल जोड़ी का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है, यह योजना किसानों की आर्थिक मदद करेगी और खेती की उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक साबित होगी। योजना की स्थिति और स्वीकृति की जानकारी किसानों को एसएमएस और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी। साथ ही वे स्वीकृति आदेश या प्रमाण पत्र को स्वयं प्रिन्ट निकालकर प्राप्त कर सकते हैं। सरकार की इस योजना से प्रदेश के पारंपरिक किसानों को न केवल राहत मिलेगी बल्कि यह कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने में भी मददगार साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने परिवेदनाओं का शीघ्र निपटारा किया

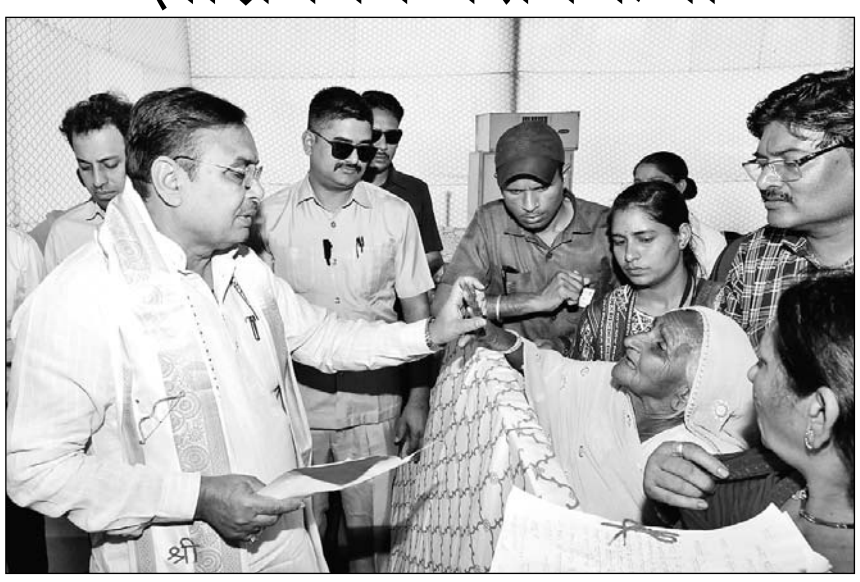

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है।

इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा उनका मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

सप्त शक्ति कमान के स्थापना दिवस से पूर्व सांस्कृतिक संध्या

जयपुर। सप्त शक्ति कमान के 21वें स्थापना दिवस से पूर्व एक शानदार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन जयपुर मिलिट्री स्टेशन के कैवलरी पोलो ग्राउंड में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े थे। इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमान, कमान के पांच पूर्व आर्मी कमांडर, पांच पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ, सीनियर मिलिट्री वेटरन्स, सिविल गणमान्य, स्टेशन के सभी रैंक और उनके परिवार भी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक संध्या में भारत की मार्शल विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि का एक मनमोहक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में 'कलारीपयट्टू और चेंट्टामेलम', 'मल्लखंब', 'नागा नृत्य' और सिम्फनी 'बैंड डिस्प्ले' के मनोरंजक प्रदर्शन शामिल थे। सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण 61 कैवेलरी द्वारा प्रस्तुत एक भव्य 'घुड़सवारी शो' और एक रोमांचकारी 'पैरामोटर डिस्प्ले' था जिसने दर्शकों को सम्मोहित कर किया।

दक्षिणी पश्चिमी कमान की स्थापना पहले आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल के नागराज द्वारा 15 अप्रैल 2005 को जयपुर में की गई थी तथा 15 अगस्त 2005 को परिचालन में लाया गया। दक्षिणी पश्चिमी कमान भारतीय सेना की सातवीं और सबसे युवा कमान है।

पिछले 21 वर्षों में, सप्त शक्ति कमान ने न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस और प्रोफेशनल एक्सीलेंस के उच्चतम मानकों को भी प्राप्त किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि सुदृढ़ प्रशिक्षण, नवीन तकनीकों को आत्मसात करने तथा नवीन तकनीकी एवं सामरिक प्रक्रियाओं के विकास से संभव हुई है। इन्हीं प्रयासों से, यह कमान भविष्य के युद्धक्षेत्र की चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक फ्यूचर-रेडी, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन, लीथल और एजाइल फोर्स के रूप में उभरी है।

यह सांस्कृतिक संध्या एकता और गौरव के उत्सव के रूप मनाई गई जो सप्त शक्ति कमान के मूल्यों का प्रतीक है। सभी रेंकों के परिवारों और वेटरन्स ने मिलकर इस शाम को यादगार बनाया ।

सप्त शक्ति कमान अपने 21वें स्थापना दिवस पर यह संकल्प लिया है कि वह विगत 21 वर्षों की भांति ही, अपने उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अदम्य साहस के साथ, हर नई चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। कमान अपने आदर्श वाक्य सदैव विजयी का अनुसरण करते हुए, राष्ट्र की अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और भारतीय सेना की गौरवमयी विरासत को सुदृढ़ करता है।

सप्त शक्ति कमान के 21वें स्थापना दिवस से पूर्व एक शानदार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन जयपुर मिलिट्री स्टेशन के कैवलरी पोलो ग्राउंड में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े थे। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अदालतों के समय में बदलाव

जयपुर। राजस्थान की सभी अदालतों का 15 अप्रेल से लेकर 27 जून तक के लिए समय परिवर्तन किया गया। हाईकोर्ट से लेकर प्रदेश की अधीनस्थ अदालतें अब मॉर्निंग शिफ्ट में काम करेंगी। हाईकोर्ट में सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे कार्य किया जाएगा। वहीं अधीनस्थ अदालतें सुबह 8 से लेकर दोपहर साढ़े 12 बजे तक सुनवाई करेंगी। बताया जाता है कि प्रदेश में अदालतों की स्थापना के बाद से ही गर्मियों में सभी अदालते मॉर्निंग शिफ्ट में सुनवाई करती है। जुलाई माह से सभी अदालते का अपने रुटीन समय पर संचालित होगी। नई समय सारिणी के तहत हाईकोर्ट में रजिस्ट्री और अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यालय का समय सुबह साढ़े 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा।

'किस बात का डर है जो बीजेपी और संघ के खिलाफ नहीं बोलते'

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी पदाधिकारियों पर तंज कसते हुए स्पष्ट कह दिया है कि आप लोगों को किस बात का डर है जो बीजेपी और संघ के खिलाफ नहीं बोलते। केवल गाड़ी के आगे पदाधिकारी की नेमप्लेट लगाने से और आधे घंटे की मीटिंग में आने से काम नहीं चलेगा।

डोटासरा ने पीसीसी में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में कहा कि संविधान की रक्षा करनी है तो हम सबको उठ खड़ा होना होगा। एक माह तक गांव, ढाणी और कस्बों में संविधान रक्षा का अभियान चलेगा। इसमें भाग लेना होगा।

- **डोटासरा ने कांग्रेस पदाधिकारी को चेताया, कहां नेम प्लेट लगाने से काम नहीं चलेगा**

उन्होंने कहा कि जो इसमें भाग लेगा, वही असली नेता होगा। उन्होंने कहा, यदि हमने संविधान बचाने का काम नहीं किया तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

डोटासरा ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला, ब्लॉक और प्रदेश स्तर पर चल रहे बैठकों के दौर में ,जो पदाधिकारी लगातार 3 महीने तक बिना कारण बताए बैठक में नहीं आएंगे, वे स्वत: ही पदमुक्त हो जाएंगे। उनकी जगह पर समर्पित कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा। डोटासरा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ गलत हुआ तो सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। अगर किसी ने अपराध किया है चाहे वो हमारी पार्टी का ही क्यों न हो, उसे गिरफ्तार कीजिए, लेकिन राजनीतिक दुर्भावना से किसी को परेशान किया तो हम कार्यकर्ता के साथ खड़े रहेंगे। डोटासरा ने कहा कि भाजपा आलाकमान पर्ची के माध्यम से ऐसे लोगों को मुख्यमंत्री बना देते हैं, जिन्हें कोई जानता भी नहीं है। जिन्हें मुख्यमंत्री बनाया है, वे केवल देवदर्शन कर रहे हैं तो ऐसे मुख्यमंत्री को केवल दर्शन के लिए रख लीजिए।

अम्बेडकर जयंती पर छुट्टी का दिन होने व तेज धूप के चलते दोपहर में गर्मी का अहसास दिलाता सूना पड़ा जनपथ।

सी.एम.ने डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पर उनकी अम्बेडकर सर्किल स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा तथा जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे। इससे पहले शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर भी बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

डोटासरा का बयान कांग्रेस के अंतर्कलह को दर्शाने वाला : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान की निंदा करते हुए उनके बयान को कांग्रेस की हताशा, निराशा और अंतर्कलह बताया। पटेल ने कहा कि डोटासरा को अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में जिस तरह साइड लाइन किया गया, उससे उनकी मनोदशा समझी जा सकती है। वहीं दूसरी ओर विधानसभा में उनकी अनुपस्थिति और उनकी पार्टी में सचिन पायलट का बढ़ते कद से डोटासरा अखबारों की सुर्खियां बटोरने के लिए बिना किसी आधार के गलत बयानबाजी कर रहे हैं। पटेल ने कहा कि विशेषाधिकार कानून कब लाया जा सकता है इसके बार में भी शायद डोटासरा को जानकारी नहीं है।

पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की सभी 200 विधानसभा में यथा योग्य समान विकास कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तो डोटासरा से बजट पूर्व यहां तक कह दिया था कि यदि कोई विधायक अपने क्षेत्र में विकास करवाने की बात मुझ तक पहुंचाना चाहता है तो वो आपके मार्फत भी पहुंचा सकता है। मैं प्रदेश के विकास के लिए सदैव तत्पर हूं और विकास कार्यों को बिना किसी भेद भाव के प्राथमिकता दूंगा। ऐसे में विशेषाधिकार का हनन का सवाल ही नहीं होता।

ब्यावर कलेक्टर के निर्देश पर अवैध खनन पर बड़ी कार्यवाही

जिला कलेक्टर खड़गावत के आदेश पर सोमवार को बड़ी कार्यवाही कर मसूदा तहसील के गोपालसागर में अवैध खनन पर कार्यवाही की गई।

ब्यावर। अजमेर जिले से अलग कर नया जिला बनाए गए ब्यावर में अवैध खनन करने वालों की कमर तोड़ने का शानदार अभियान चल रहा है। आमजन में घुल-मिलकर आमजन की भावनाओं को ध्यान में रखकर काम करने वाले ब्यावर के जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत द्वारा राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप अवैध खनन के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है।

जिला कलक्टर खड़गावत के आदेश पर सोमवार को खनिज अभियंता के नेतृत्व में बड़ी कार्यवाही की गई। मसूदा तहसील के गोपालसागर में एक ही स्थान पर खनिज फेल्सपार का ताजा खनन करना पाया गया। खसरा नम्बर 2640 व 2641 जिसकी किस्म खातेदारी भूमि हरजी पुत्र हमीरा के नाम पर दर्ज है। इस भूमि पर अवैध खनन खातेदार कि स्वंय की सहमति से अवैध खनन कर्ता जयनारायण का जीजा सांवरसिंह उर्फ सावरा निवासी गोपाल सागर के साथ मिलकर अवैध खनन करवाने की जानकारी मिली है।

- **मसूदा उपखण्ड के गोपालसागर में अवैध खनन पर कार्यवाही**
- **कार्यवाही करते हुये 3.99 करोड़ रूपये वसूली निकाली गई**

इस स्थान पर विभाग द्वारा किसी भी व्यक्ति को लीज/खनन पट्टा या एसटीपी आदि स्वीकृति नहीं की गई थी। ऐसे में अवैध खनन पर कार्यवाही करते हुये 3.99 करोड़ रूपये वसूली निकाली गई। विभाग ने सदर थाना में अवैध खनन कर्ताओं व खातेदारों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है।

अभियान की ताजा कार्रवाई में चार प्रकरण बनाए गए हैं। इन सभी प्रकरणों में आरोपी वाहन चालकों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर सीसीटीएनएस पोर्टल पर एंट्री की गई है और वाहनों को जब्त कर लिया गया है। राजस्व हानि रोकने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह अभियान चलाया जा रहा है। यदि इस तरह का अभियान प्रदेश के सभी जिलों में पूरी मुस्तैदी से चले, तो यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि एक दिन प्रदेश में अवैध खनन और माफिया पूरी तरह टूट जाएगा। डॉ. खड़गावत के कड़े रूख को देखते हुए खनिज विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है। इसी का नतीजा है कि 4 से 6 अप्रैल तक चार अलग-अलग स्थानों पर अवैध खनिज परिवहन में लिप्त ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जब्त कर उनके चालकों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

दिया कुमारी ने विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज विद्याधर नगर के दौरे पर रहीं। जहां उपमुख्यमंत्री गौरक्षनाथ आश्रम संस्थान ज्योतिर्लिंग हनुमान गणेश मंदिर में वरिष्ठ नागरिक धोबी बसेठा समाज सुधार सेवा समिति द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में पहुंची। उन्होंने वहाँ डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता को बढ़ावा देगा और आर्थिक खर्च को कम करेगा। इस मौके पर उन्होने आयोजन में सम्मिलित सभी युवक-युवतियों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

- **विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रही उपमुख्यमंत्री**
- **डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित हुए कई कार्यक्रम**

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज विद्याधर नगर के दौरे पर रही जहां उन्होंने सेक्टर 6 में डॉ.भीमराव अंबेडकर के नाम पर पार्क लोकार्पण एवं मूर्ति अनावरण किया। उप मुख्यमंत्री के इस कार्य से कार्यक्रम के मुख्य संयोजक बद्री नारायण बोलते-बोलते भावुक भी हुए। उन्होंने उपमुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया कि विद्याधर नगर में भीमराव अंबेडकर के नाम पर एक पार्क बन गया है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने नए भारत की नींव रखी थी, इसलिए उनके नाम पर पार्क बहुत छोटी चीज है, मौका मिला तो और भी बड़ा कार्य करेंगे। पीएम मोदी डॉ भीमराव अंबेडकर के सपने के मुताबिक भारत को विकसित और ताकतवर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बन गए हैं, बहुत जल्द हम पहली आर्थिक शक्ति होंगे।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने वार्ड संख्या 8 और 23 में 8 करोड़ 30 लाख से की लागत से पीडब्ल्यूडी, जेडीए, नगर निगम एवीएम विधायक कोष से स्वीकृत विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से आमजन को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में रमेश अग्रवाल वार्ड 8 पार्षद सुमन गुप्ता वार्ड 23 पार्षद भंवर लाल मालाकार मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल राजू मीना बद्री नारायण के सी वर्मा के एल बेताल भजनलाल रोलन सुधीर अग्रवाल व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष गोयल सहित पार्षदगण पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता आमजन मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी वाल्मीकि वेलफेयर संस्था वाल्मीकि बस्ती, थाना रोड, सीताबाड़ी झोटवाड़ा के अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह में पहुंचीं। जहां उन्होंने स्थानीय नागरिकों को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित की।उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जिस भारत की नींव रखी, गरीब के विकास की बात कही, इस पर पीएम मोदी काम कर रहे हैं, और उन्हीं के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ-साथ आप सबको योजनाओं की जानकारी लेना और उसका लाभ लेना बहुत जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि सभी को सरकार की योजनाओं से जोड़ें। महिला, युवा, किसान और हर वर्ग के व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले।योजनाओं का लाभ जब आम आदमी तक पहुंचता है तो उससे बड़ा कोई पुण्य नहीं होता। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने वाल्मीकि समाज के मंदिर में भगवान का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का विद्याधर नगर में डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में माला पहनाकर स्वागत किया गया।